कामेश्वरसिंह दरभङ्गा संस्कृत विश्वविद्यालय, कामेश्वरनगर, दरभङ्गा

संस्कृत विषयक पाठ्यक्रम(CBCS के अनुसार)

1	बिहार राज्य के सामान्य विश्विद्यालयों के लिए एम. ए. (संस्कृत) के पाठ्यक्रम (CBCS के अनुसार)	पृष्ठ-1 से 18
2	आचार्य (एम.ए. समकक्ष) पाठ्यक्रमः (C. B. C. S. के अनुसार)	पृष्ठ 1 से 125

विभागाध्यक्ष (संस्कृत)
पटना विश्वविद्यालय,पटना

कुलपति 18/6/2018

बिहार राज्य के सामान्य विश्विद्यालयों के लिए

एम. ए. (संस्कृत) के पाठ्यक्रम (CBCS के अनुसार)

बिहार राज्य के सामान्य विश्विद्यालयों के लिए एम. ए. (संस्कृत) के पाठ्यक्रम (CBCS के अनुसार)

संस्कृत में दो वर्षीय एम.ए . कोर्स को चार सेमेस्टर में विभाजित किया जाएगा। प्रथम सेमेस्टर में मुख्य पाठ्यक्रम (CC) के 4 पत्र तथा AECC-1 का एक पत्र कुल पांच पत्र होंगे. द्वितीय सेमेस्टर में मुख्य पाठ्यक्रम के 5 पत्र एवं AEC-1 का एक पत्र कुल 6 पत्र होंगे. तृतीय सेमेस्टर में मुख्य पाठ्यक्रम के 5 पत्र एवं AECC-2 का एक पत्र कुल 6 पत्र होंगे. चतुर्थ सेमेस्टर में अपने विषय से सम्बद्ध विशिष्ट विषय के चयनित पाठ्यक्रम (EC) के दो पत्र एवं DSE-1 या GE-1 का 1 पत्र कुल 3 पत्र होंगे। एक छात्र को 4 सेमेस्टर के भीतर सभी 20 पाठ्यक्रमों को पूरा करने की आवश्यकता होगी, प्रत्येक छह महीने की अवधि में सत्रान्त में विश्वविद्यालयीय परीक्षा होगी।

प्रत्येक पत्र100 अंक के होंगे। CC और GE/DSE के प्रतिपत्र में निर्धारित100 अंकों में से विनियमावली के अनुसार विश्वविद्यालाययीय लिखित परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक और क्लास टेस्ट (CIA) के लिए 30 अंक निर्धारित होंगे।

AECC, AEC और EC में प्रतिपत्र निर्धारित 100 अंकों में से विश्वविद्यालयीय लिखित परीक्षा के लिए 50 अंक और विभागीय मूल्यांकन के लिए 50 अंक निर्धारित होंगे।

प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए 5 क्रेडिट होंगे। परीक्षाफल का निर्धारण 14 CC एवं 2 EC के अंक के आधार पर होंगे. AECC, AEC, DSE / GE में केवल उतीर्णता (Qualifying) अंक लाना आवश्यक होगा।

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर 4 कोर पाठ्यक्रम (CC) + 1AECC

एम ए द्वितीय सेमेस्टर 5 कोर पाठ्यक्रम (CC)+ 1AEC

एमए तृतीय सेमेस्टर 5 कोर पाठ्यक्रम(CC) + 1AECC

एमए चतुर्थ सेमेस्टर 2 चयनित पाठ्यक्रम (EC)+1 DSE or GE

---

16 पाठ्यक्रम + 4 पाठ्यक्रम = 20 पाठ्यक्रम

18/6/2018

एम.ए. संस्कृत पाठ्यक्रम
प्रथम सेमेस्टर

CC – I | **वेद** | **पूर्णांक - 100**

खण्ड -1	वरुण (1.24), इंद्र (1.32), सूर्य (1.115) , विश्वामित्र-नदी-सम्वाद (3.33), अग्नि (4.7) , हिरण्यगर्भ (10.121),	25
खण्ड -2	शुक्ल यजुर्वेद –शिवसङ्कल्पसूक्त (XXXIV 1-6)	20
खण्ड -3	सोम (301) , राष्ट्राभिवर्धन (1.29)	15
खण्ड – 4	निरुक्त (यास्क) प्रथम अध्याय	15
खण्ड - 3	कक्षा-परीक्षा (CIA)	30

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. **New Vedik Selection** : Pt. N.K.S. Telang & B.B. Chaube
2. वैदिक देवता – एक ऐतिहासिक विवेचना : प्रो. के.पी. सिंह , प्रो. जी.सी. त्रिपाठी एवं डा. सूर्यकान्त
3. हिंदी निरुक्त –डा.उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'
4. वैदिक साहित्य का इतिहास – पं. बलदेव उपाध्याय

CC - II | **दर्शन** | **पूर्णांक - 100**

(वेदान्त और योग)

खण्ड - 1	वेदान्तसार : (सदानन्दकृत)	25
खण्ड - 2	योगसूत्र (पतञ्जलि) केवल सूत्र	20
खण्ड – 3	सांख्यकारिका	25
खण्ड- 3	कक्षा-परीक्षा(CIA)	30

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. वेदान्त सूत्र : सदानंद, हिन्दी अनुवाद और पाठ संपादक- पं.बदरीनाथ शुक्ल
2. वेदान्त सूत्र : सदानंद, हिन्दी अनुवाद और व्याख्या के साथ द्वारा डा. गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर
3. योगसूत्र : व्याख्या – वाचस्पति - प्रथम पाद के 20 सूत्र
4. योगसूत्र : पं. रामानन्द विरचित, स. डा. विमला कर्नाटक
5. वेदान्त सूत्र : पं. आदित्य प्रसाद मिश्र
6. सांख्यकारिका – ईश्वरकृष्ण

CC - III | **व्याकरण** | **पूर्णांक -100**

खण्ड - 1	सिद्धान्त कौमुदी - कारकप्रकरण	25
खण्ड - 2	सिद्धान्त कौमुदी सुबन्तप्रकरण –आदि से सर्व शब्द पर्यन्त	15
खण्ड - 3	भू धातु - ससूत्र	05
खण्ड – 4	पस्पशाह्निकम्	25
खण्ड 4	कक्षा-परीक्षा (CIA)	30

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. सिद्धान्त कौमुदी – बालमनोरमा व्याख्या सहिता
2. महाभाष्यम् : (सम्पादक- प्रो. जे.एस.एल. त्रिपाठी, चौखम्बा)

CC- IV काव्यशास्त्र – I पूर्णांक- 100

खण्ड- 1 काव्यप्रकाश प्रथम और द्वितीय उल्लास 40

खण्ड- 2 काव्यप्रकाश नवम और दशम उल्लास 30

नवम उल्लास - वक्रोक्ति , अनुप्रास, यमक और श्लेष - 4 अलंकार

दशम उल्लास- उपमा (पूर्णोपमा) , उत्प्रेक्षा, रूपक, अतिशयोक्ति , अपह्नुति, संदेह, समासोक्ति, निदर्शना, अप्रस्तुतप्रशंसा,दृष्टान्त, तुल्ययोगिता, परिसंख्या, काव्यलिंग, भ्रान्तिमान, संशय, दीपक, विभावना, व्यतिरेक, विशेषोक्ति, अर्थान्तरन्यास और संकर 21 अलंकार।.

खण्ड- 3 कक्षा-परीक्षा (CIA) 30

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. काव्यप्रकाश : मम्मट, अनुवादित विश्वेश्वर सिद्धांतशिरोमणि, ज्ञान मंडल प्रकाशन, वाराणसी।
2. काव्यप्रकाश : मम्मट (केवल पाठ), सम्पादित – प्रो. रेवा प्रसाद द्विवेदी, प्रकाशित : बीएचयू।
3. काव्यप्रकाश : मम्मट, प्रदीपोद्योत और प्रभा टीका के साथ। सम्पादित : प्रो. बी.भट्टाचार्य और प्रोफेसर जे. एस. एल. त्रिपाठी, बीएचयू प्रकाशन।

AECC-1

A- Environmental Sustainability (3 Credit)
B- Swachha Bharat Abhiyan Activities (2 Credits)

Each credit requires 10 hours of teaching –learning for theory and 20 hours for practical assignment field work.

A- Unit -1 **Environmental ethics & ecosystem: Concept of sustainable development with reference to human values in western and Indian perspective, sustainable development &conservation of natural resources (Nature, factors, structure, development and people participation) development, environment- rural and urban, concept of Ecosystem.**

A- Unit -2 **Development and its effect on environment: Environment Pollution-water, air, noise etc. due to Urbanisation, Industrial civilization, Concept of Global Warming , Climatic Change, Green House Effect, Acid rain, Ozone layer depletion. Menace of encroachment of exotic plants particularly parthenium and trees with special reference to impact on habit & habitat on indigenous flora & fauna.**

A- Unit-3 **Concept of Bio-diversity and its conservation: Environmental Degradation and conservation. Govt. Policies, Social effects and role of social reforms in this direction. Role of science in conservation of environment concept of Three 'R' (reduce, reuse,**

recycle). Need of environmental education and awareness programme and ecological economics.

B- Unit -4 Swachha Bharat Abhiyan: The concept of Swachhata as personal,Gandhian approach towards social and environmental moral values & concept of swachhata and its relation to moral upgradation of society and freedom struggle. Awareness Programme related to Swachhata. Role of 'Swachchagrahis' in Swachha Bharat Abhiyan.

Sanitation and hygiene, why sanitation is needed, santation and human rights, plantation, value of nature, concept of community participation and role of state agencies. Case study of Sanitation, effects of cleanliness, Diseases - infectious and vector – borne of Spread of diseases through body and other biological fluids and excreta.

B- Unit – 5 Assignment/Practical /field work based on unit-4

or, Alternative to unit-4 and unit-5 a student can also enrol for Swachha Bharat Internship programme of MHRD.

Reference :-

01. U.P. Sinha – Environment& Social Sector ; Concept publication New Delhi.

02. U.P. Sinha – Sustainable Resourse development policy Concept publication New Delhi.

03. U.P. Sinha – Economics of Social sector& Environment Concept publication New Delhi.

04. Sengupta, R. 2003, Ecology and economics: An approach to sustainable development. OUP

05. Introduction to sustainable development –Dr.Ranjana Singh, Globuss Press, New Delhi.

06. Singh, J.S. Singh. S.P. and Gupta, S.R. 2014, Ecology. Environmental science and conservation. S. Chand Publishing

07. **Our Common future – Report by UN Bruntland Commission (1987)**

08. **Gandhi and the Environment – T.N. Khoshoo, John S. Moolakkattu.**

09. **गाँधीदर्शनः एकपुनरावलोकन, जानकीप्रकाशन,डॉ श्यामल किशोर**

09. **Rosencrantz, A., Divan, S & Noble, 2001.Environment law and policy in indian. tripathi 1992**

10. **World commission on environment and development, 1987 our common future. Oxford university. press.**

द्वितीय सेमेस्टर

CC- V **भाषाविज्ञान** पूर्णांक - 100

खण्ड -- 1	भाषाओं का वर्गीकरण, भाषोत्पत्ति विषयक सिद्धांत, आकृति विज्ञान, विभिन्न भाषा परिवार, विशेष संदर्भ के साथ केवल सामान्य परिचय और भारोपीय भाषा परिवार का विशेष परिचय।	35
खण्ड - 2	ध्वनि परिवर्तनों की दिशा- आकलन, प्रसार एवं संकोच, Anaptyxis, Prothesis, Epenthesis, आदि स्वर लोप (Aphesis) , मध्य स्वर लोप (Syncope), Haplology, विपर्यय (Metathisis), समानता (Analogy), तनाव और ध्वनि उच्चारण।	15
खण्ड- 3	ध्वनिशास्त्र के नियम - ग्रिम्स, वर्नर और ग्रासमन	10
खण्ड- 4	अर्थविज्ञान का सिद्धांत (Semantics Theory)	10
खण्ड- 5	वर्ग –जाँच (CIA)	30

अनुशंसित पुस्तकें :

1 भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
2. भाषाविज्ञान : मंगल देव शास्त्री
3. भाषाशास्त्र का तुलनात्मक परिचय: पी.डी. गुणे
4. संस्कृत के ऐतिहासिक एवं समालोचनात्मक अध्ययन : डी.डी. शर्मा
5. भाषा विज्ञान की भूमिका : डी. एन. शर्मा .
6 भाषाविज्ञान और भाषाशास्त्र : पं. कपिलदेव द्विवेदी

CC- VI **पद्य काव्य** पूर्णांक -100

खण्ड- 1	मेघदूत - केवल उत्तरमेघ	35
खण्ड- 2	बुद्धचरित - प्रथम एवं द्वितीय सर्ग	35
खण्ड- 3	कक्षा-परीक्षण (CIA)	30

अनुशंसित पुस्तकें :

1. मेघदूत : कालिदास : हिन्दी अनुवाद और पाठ के साथ सम्पादक – शेषराज शर्मा रेग्मी, चौखम्भा, वाराणसी।
2. मेघदूत : कालिदास : तीन संस्कृत टिप्पणीकारों के साथ, सम्पादित पं. ब्रह्मशंकर शास्त्री, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।

CC- VII वैदिक साहित्य का इतिहास, पाश्चात्य समालोचना एवं निबन्ध पूर्णांक -100

खण्ड- 1 वैदिक साहित्य का इतिहास (सामान्य परिचय - सायण और दयानंद) 30

खण्ड- 2 पश्चिमी वैदिकविद्वानों का योगदानः मैक्समूलर, मैकडोनेल, वेबर, ब्लूमफ़ील्ड, ह्विटनी, विल्सन, ग्रिफ़िथ, विंटरनित्ज, कीथ, रोथ। 20

खण्ड- 3 संस्कृत में निबंध (वैदिक विषयों पर) 20

खण्ड- 4 कक्षा-परीक्षण (CIA) 30

अनुशंसित पुस्तकें :

1. वैदिक साहित्य और संस्कृति: पं. बलदेव उपाध्याय
2. History of Indian Literature Vol. I Part – I M. Vinternits
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास : ए.ए. मैकडोनेल

CC - VIII गद्य काव्य पूर्णांक- 100

खण्ड-1 कादम्बरी - शूद्रक वर्णन से विन्ध्याटवी वर्णन पर्यंत 40

खण्ड- 2 ~~नलचम्पू~~ दशकुमारचरित प्रथम उच्छवास 30

खण्ड- 4 कक्षा परीक्षण (CIA) 30

अनुशंसित पुस्तकें :

1. नलचम्पू
2. कादम्बरी: हिन्दी अनुवाद और भाष्य - प्रो जे.एस.एल. त्रिपाठी, चौखम्भा , वाराणसी।

CC- IX रूपक पूर्णांक- 100

खण्ड - 1, मृच्छकटिकम् 1 – 5 अंक (सामान्य अध्ययन, केवल महत्वपूर्ण प्रश्न) 30

खण्ड - 2 मुद्राराक्षसम् I - II अंक 20

खण्ड - 3 उत्तररामचरितम् I – III अंक 20

खण्ड - 4 कक्षा-परीक्षण (CIA) 30

सूचित पाठ : 1. मृच्छकटिकम् : हिन्दी अनुवाद और टीका के साथ। संपादक प्रो जे.एस.एल. त्रिपाठी,चौखम्भा, वाराणसी।

AEC- 1 पाठ्यक्रम तौयार करने हेतु नालंदा विश्वविद्यालय राजभवन सचिवालय से अधिक्रित है। उनसे पाठ्यक्रम प्राप्त होने पर सम्मलित किया जा सकता है।

तृतीय सेमेस्टर

CC- X नाट्यशास्त्र पूर्णांक- 100

खण्ड-1 भरतनाट्यशास्त्र – VI अध्याय रससूत्र टीका अभिनवभारती–भट्टलोल्लट, शंकुक तथा भट्ट नायक का रसनिष्पत्तिविषयक मत . 15

खण्ड- 2 नाट्यशास्त्र: उक्त तीनों मतों के निराकरणपूर्वक अभिनवगुप्त का सिद्धांत मत 20

खण्ड-3 दशरूपक – (प्रथम प्रकाश) प्रारम्भ से २२ कारिका पर्यन्त 10

खण्ड-4. दशररूपक – (द्वितीय प्रकाश) प्रारंभ से 27 कारिका पर्यन्त 10

खण्ड-5 दशरूपक – (तृतीय प्रकाश) प्रारंभ से 40 कारिका पर्यन्त 15

खण्ड- 6 कक्षा परीक्षण (CIA) 30

अनुशंसित पुस्तकें :

1 दशरूपक : हिन्दी अनुवाद और टीकाके साथ। सं. - पं. रामशंकर त्रिपाठी।

2 दशरूपक : हिन्दी अनुवाद और टीका के साथ डॉ एस एस मालवीय, चौखंबा।

4. दशरूपक तत्वावलोकन : प्रो.रामजी उपाध्याय।

CC- XI काव्यशास्त्र-II पूर्णांक- 100

खण्ड - 1 ध्वन्यालोक - प्रथम उद्योत	20
खण्ड - 2 काव्यप्रकाश VI, VII एवं VIII उल्लास	25
खण्ड - 3 अरस्तू का काव्यशास्त्र	25
खण्ड- 4 कक्षा-परीक्षण (CIA)	30

अनुशंसित पुस्तकें:

1 ध्वन्यालोक : हिन्दी अनुवाद व्याख्या पं. जगन्नाथ पाठक।

2. ध्वन्यालोक: हिंदी अनुवाद और व्याख्या पं. रामासागर त्रिपाठी, एमएलबीडी।

3. अरस्तु का काव्यशास्त्र – सं. डा. नागेन्द्र।

CC– XII संस्कृत साहित्य का इतिहास, पाश्चात्य समालोचना एवं निबन्ध पूर्णांक- 100

खण्ड - 1 संस्कृत साहित्य का इतिहास- रामायण के सामान्य अध्ययन, महाभारत , नाटक और महाकाव्य	35
खण्ड - 2 पाश्चात्य समालोचना - प्लेटो, अरस्तू, होरेस, लॉन्गिनस, थॉमस स्टुअर्ट एलियट, आइवर आर्मस्ट्रोंग रिचड्र्स का सामान्य अध्ययन .	15
खण्ड - 3 संस्कृत में निबन्ध	20
खण्ड - 4 कक्षा-परीक्षण (CIA)	30

अनुशंसित पुस्तकें:

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास: - पं. बलदेव उपाध्याय
2. संस्कृत साहित्य की रूपरेखा : चंद्रशेखर पांडे और ननुराम व्यास
3. संस्कृत साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ.सूर्यकांत
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा, मयूर पेपरबॉक्स्, ए -95, सेक्टर V, नोएडा – 20130, 1992

CC – XIII भारतीय दर्शन का इतिहास और निबन्ध पूर्णांक- 100

खण्ड-1 संस्कृत में निबन्ध (दार्शनिक विषयों पर)	20
खण्ड- 2 भारतीय दर्शन का इतिहास (सांख्य - योग, न्याय-वैशेषिक मीमांसा –वेदान्त ,चार्वाक जैन और बौद्ध) – का सामान्य परिचय।	30
खण्ड- 3 आधुनिक विचारकों – (रामकृष्ण परमहंस, अरबिंदो, विवेकानन्द और सर्वपल्लिराधाकृष्णन केवल दार्शनिक विचार) - का सामान्य परिचय	20
खण्ड- 4 कक्षा-परीक्षा (CIA)	30

अनुशंसित पुस्तकें :

1. राधाकृष्णन एस: जीवन का एक आदर्शवादी दृश्य।
2. डी.ए. गंगाधर: सर्वपल्ली राधाकृषणन् के धर्म एवं दर्शन।
3. बी.के. लाल: समकालीन भारतीय दर्शन (हिंदी और अंग्रेजी)।

4 मिश्रा, आर.एस. : "श्री अरबिंदो"।

CC-XIV शोधपद्धति और अनुवाद पूर्णांक- 100

खण्ड- 1 . पाठ का संपादन, पांडुलिपि विज्ञान	20
खण्ड- 2. शोध क्रिया विधि और शोध परियोजना का प्रारूप निर्माण	20
खण्ड- 3. दिये गये संदर्भ का अनुवाद लेखन	20
खण्ड- 4. इंडेक्सिंग, प्रूफ रीडिंग	10
खण्ड- 5. वर्ग परीक्षा (CIA)	30

प्रस्तावित पाठ्यपुस्तकों का विवरण अपेक्षित

प्रस्तावित पाठ्य पुस्तकें
① शोध प्रविधि - प्रभुनाथ द्विवेदी
② व्यवहार रत्नाकर - परमेश्वर ठाकुर

AECC- 2

Human Values and Professional Ethics (3 Credits)

Gender Sensitization (2 Credits)

Unit – 1: Variety of Moral Issues, Principals of Ethics and Morality:-

Understanding the Harmony in the Society (society being an extension of family), Integrity, Work Ethic, Courage, Empathy, Self Confidence, Moral Autonomy, Consensus and Controversy, Professional and Professionalism, Professional Ideas and Virtues. Ethics as a Subset of Morality, Ethics and Organizations, Employee Duties and Rights, Discriminatory and Pre-judicial Employee Practices, Understanding Harmony in Nature, Natural Acceptance of Human Values.

Unit – 2: Risk Benefit Analysis, Collegiality a Loyalty:-

Reducing Risk, Government Regulators Approach to Risk, Handling Ethical Dilemmas at Work, Market Strategy and Ethics, Ethical Practice in Market Place, Ethics in Finance, Ethics in Business and Environment. Respect of Authority, Collective Bargaining, Confidentiality, Professional Rights, Intellectual Property Rights, Multinational Corporations, Honesty, Moral Leadership, Sample Code of Conduct, Corporate Responsibility. Social Audit and Ethical Investing, Computer and Ethics, Management Patterns.

Unit – 3: Competence and Professional Ethics:-

Ability to Utilize the Professional Competence for Augmenting Universal Human Order, Ability to identify the scope and Characteristics of people-friendly and eco-friendly production, Ability to identify and develop appropriate technologies, and Management and pattern for above production system. Strategy for Transition from the Present State to Universal Human Order- At the Level of Individual- as Socially and Ecologically Responsible Technologists and Managers, At the Level of Society- as Mutually Enriching Institutions and Organizations. Case studies of typical holistic technologies and management patterns.

Unit – 4: Gender – An Overview:-

Gender: Definition, nature and evolution, culture, tradition, historicity; Gender spectrum: biological, sociological, psychological conditioning; Gender based division of labour – domestic work and use value.

Unit – 5: Gender – Contemporary perspectives

Gender justice and human rights: international perspectives, Gender : constitutional and legal perspectives, media & gender, Gender: emerging issues and challenges.

चतुर्थ सेमेस्टर

EC-I	पुराण	पूर्णांक- 100
	खण्ड- 1. श्रीमदभागवत, शिवपुराण, देवीभागवत, अग्निपुराण- केवल सामान्य समालोचनात्मक प्रश्न	25
	खण्ड- 2 पुराण साहित्य का इतिहास - सामान्य अध्ययन	25
	खण्ड- 3 मौखिकी	50
EC -2	धर्मशास्त्र	पूर्णांक- 100
	खण्ड- 1 धर्मशास्त्र का इतिहास (प्रथम भाग)- पी.वी. काणे हिंदी अनुवाद –अर्जुन चौबे कश्यप	20
	खण्ड- 2. मनुस्मृति छठा और सातवां अध्याय	30
	खण्ड- 3 परियोजना कार्य / मौखिकी	50

****

निम्नलिखित Generic Elective विषयों में से सुविधानुसार छात्र विभागाध्यक्ष के स्वीकृति के उपरान्त किसी एक का चयन कर सकते है।

GE-1

भारतीय रंगमंच का इतिहास एवं परंपरा	**पूर्णांक 100**
भाग-(क) भारतीय रंगमंच का उद्भव और विकास	20
भाग- (ख) रंगमंच : निर्माण और प्रकार	15
भाग-(ग) अभिनय : आंगिक,वाचिक, सात्त्विक और आहार्य।	20
भाग-(घ) नाटक : वस्तु, नेता और रस	15
भाग-(च) वर्ग परीक्षा (CIA)	30

[B] इकाईवार विभाजन

भाग-(क) भारतीय रंगमंच का उद्भव और विकास

इकाई - 1 विभिन्न कालखंडों में रंगमंच का उद्भव और विकास : प्रागैतिहासिक तथा वैदिककाल	10
इकाई - 2 महाभारत एवं पौराणिक काल :राजदरवार रंगमंच,देवालय रंगमंच, मुक्त रंगमंच (खुला), आधुनिक रंगमंच , लोक रंगमंच, राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय रंगमंच।	10

भाग (ख)

रंगशाला : निर्माण और प्रकार

इकाई-1 रंगशाला : निर्माण और प्रकार	15

भाग(ग)

अभिनय : आंगिक,वाचिक, सात्त्विक और आहार्य।

इकाई - 1	अभिनय :आंगिक,वाचिक,	10
इकाई - 2	सात्त्विक और आहार्य।	10

भाग-(घ)

नाटक : वस्तु, नेता और रस

इकाई – 1 वस्तु	5
इकाई – 2 नेता	5
इकाई – 3 रस	5

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. राधावल्लभ त्रिपाठी (संपा.एवं संक.)- संक्षिप्त नाट्यशास्त्र हिन्दीभाषानुवाद सहित, वाणी प्रकाशन,दिल्ली 2008।
2. राधावल्लभ त्रिपाठी, भारतीय नाट्य : स्वरूप एवं परम्परा, संस्कृत परिषद्, सागर, मध्यप्रदेश, 1988 ।

GE-2

पातञ्जलयोगसूत्र

निर्धारित पाठ्यक्रम पूर्णांक -100

भाग (क)	पातञ्जल योगसूत्र : समाधि पाद	25
भाग (ख)	पातञ्जल योगसूत्र : साधन पाद	25
भाग (ग)	पातञ्जल योगसूत्र :विभूति पाद	20

भाग (क)

पातञ्जल योगसूत्र : समाधि पाद

इकाई - 1	समाधि पाद सूत्र (1-15)	15
इकाई - 2	समाधि पाद सूत्र (16 -29)	10

भाग (ख)

पातञ्जल योगसूत्र : साधन पाद

इकाई -1	साधन पाद सूत्र (29-45)
इकाई - 2	साधन पाद सूत्र (46 -55)

भाग-(ग)

पातंजल योगसूत्र : विभूति पाद

इकाई -1	विभूति पाद (1-3)

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. Patanjala Yogadarsana, Gita Press, Gorakhpur.
2. Yogapradipa, Gita press, Gorakhpur.

GE-3

आयुर्वेद के मूल सिद्धांत

पूर्णांक-100

भाग (क)	आयुर्वेद का परिचय	30
भाग-(ख)	चरक संहिता (सूत्रस्थानम्)	20
भाग-(ग)	तैत्तिरीयोपनिषद्	20
भाग-(घ)	वर्ग परीक्षा (CIA)	30

भाग (क)

आयुर्वेद का परिचय

इकाई-1 आयुर्वेद का परिचय, चरक के औषधिविज्ञान का पूर्णकालिक इतिहास, आयुर्वेद की दो शाखाएँ : धन्वन्तरि और पुनर्वसु। 18

इकाई-2 आयुर्वेद के प्रमुख आचार्य: चरक, सुश्रुत, वाग्भट , माधव, शारंगधर और भावमिश्र। 12

भाग-(ख)

चरक संहिता (सूत्र स्थानम्)

इकाई-1 षड्ऋतुओं में काल-विभाजन तथा शरीर एवं प्रकृति की अवस्था। हेमंत, शिशिर, वसंत, ग्रीष्म, वर्षा और शरद् ऋतुओं में रहन-सहन और आहार- सम्बन्धी नियम। 20

भाग(ग)

तैत्तिरीयोपनिषद्

इकाई - 1 भृगुवल्ली – अनुवाक 1-3 20

[C] अनुशंसित पुस्तकें :-

1- Taittiriyopanisad – Bhrguvalli.

2- Atridev Vidyalankar, Ayurveda ka Brhad itihas.

GE-4

संस्कृत साहित्य में पर्यावरण जागृति

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम पूर्णांक-100

खंड- 'अ'	आधुनिक पर्यावरण परिप्रेक्ष्य और संस्कृत साहित्य	25
खंड- 'ब'	वैदिक साहित्य में पर्यावरण जागरूकता	20
खंड- 'स'	शास्त्रीय संस्कृत साहित्य में पर्यावरण जागरूकता	25
खंड- 'द'	वर्ग परीक्षा	30

[B] पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

हर देश की राष्ट्रीय संस्कृति अपने पर्यावरण, जलवायु परिस्थितियों और प्राकृतिक संसाधनों के साथ मानव व्यवहार पर निर्भर करती है। संस्कृत भारत की सभ्यता और संस्कृति का वाहन है। संस्कृत साहित्य के प्रकृति उन्मुख पर्यावरण के अनुकूल विचार प्राचीन काल से मानव जाति की सेवा कर रहे हैं। प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए एक उपकरण के रूप में प्राचीन भारत में धर्म का इस्तेमाल संभवतः किया गया था। इसलिए, संस्कृत साहित्य हमारे लिए और बड़े पैमाने पर विश्व पर्यावरण के लिए उपयोगी है। इस कोर्स का उद्देश्य छात्रों को पर्यावरण के भारतीय विज्ञान और पर्यावरण जागरूकता की प्रमुख विशेषताओं की बुनियादी अवधारणा से परिचित करना है, जैसा कि वैदिक और शास्त्रीय संस्कृत साहित्य में दर्शाया गया है।

[C] यूनिट-वार डिवीजन

खंड 'अ' आधुनिक पर्यावरण परिप्रेक्ष्य और संस्कृत साहित्य

इकाई : I पर्यावरण का विज्ञान: परिभाषा, क्षेत्र और आधुनिक संकट: मानव सभ्यता में पर्यावरण की भूमिका; पर्यावरण का अर्थ और परिभाषा; पर्यावरण विज्ञान के लिए विभिन्न नाम: 'पारिस्थितिकी', 'पर्यावरण', 'प्रकृति विजयन'; पर्यावरण के मुख्य घटक: जीवित जीव (जैव जगत) और निर्जीव सामग्री (भौतिक पदार्थ)। 10

इकाई : II पर्यावरण का प्राथमिक कारक भौतिक तत्त्व, जैविक तत्त्व और सांस्कृतिक तत्त्व। 5

इकाई: III पर्यावरण के संकट और आधुनिक चुनौतियां: ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, ओजोन कमी, प्रदूषण में विस्फोटक वृद्धि, भूमिगत पानी के लेबल में कमी, नदी के प्रदूषण, बड़े पैमाने पर वनों की कटाई, बाढ़, और भूकंप जैसे प्राकृतिक आपदाएं। संस्कृत साहित्य का पर्यावरण पृष्ठभूमि: पर्यावरण विज्ञान के दृष्टिकोण से संस्कृत साहित्य का महत्त्व; ' पृथ्वी माँ' की अवधारणा और वैदिक साहित्य में नदियों की पूजा; पर्यावरण संबंधी मुद्दों जैसे कि प्रकृति मां की सुरक्षा और संरक्षण का संक्षिप्त सर्वेक्षण, जंगलों में वृक्षारोपण, और संस्कृत साहित्य में प्रस्तावित जल संरक्षण तकनीक के रूप में। बौद्ध और पारिस्थितिकी के जैन अवधारनाएँ, पेड़ों की सुरक्षा, जानवरों और पक्षियों के लिए प्यार। 10

खंड-ब वैदिक साहित्य में पर्यावरण जागरूकता

इकाई : 1 वैदिक साहित्य में पर्यावरण संबंधी मुद्दों और पारिस्थितिकी-प्रणाली, प्रकृतिकी दिव्यता, ब्रह्मांड की सभी प्राकृतिक शक्तियों के बीच समन्वय, पर्यावरण के लिए मार्गदर्शक बल के रूप में ब्रह्मांडीय आदेश पूरे ब्रह्मांड का 'ऋत' (ऋगवेद, 10.85.1); अथर्ववेद में पर्यावरण के लिए समान शब्द: 'वृतावृत' (12.1.52), 'अभिवरः,' (1.32.4), 'अवरीतः' (10 .1 .30), 'परिवृता' (10.8 .31); ब्रह्मांड को आच्छादित करनेवाले पांच बुनियादी तत्त्व: पृथ्वी, जल, प्रकाश, वायु, और आकाश (ऐतरेय उपनिषद् 3.3);पर्यावरण के तीन घटक तत्त्वों के रूप में 'चान्दसी' जाना जाता है: जल (पानी), वायु (हवा), और औषधि (पौधे) 10

(अथर्ववेद, 18.1.17); पांच रूपों में पानी के प्राकृतिक स्रोत: बर्षा का पानी (Divyah), प्राकृतिक झरने (Sravanti), कुआँ और नहर (Khanitrimah), झील (Svayamjah) और नदियाँ। (Samudrarthah) ऋग्वेद, 7.49 .2)।

इकाई:II वैदिक साहित्य में पर्यावरण संरक्षण : पर्यावरण संरक्षण के पांच प्रारंभिक स्रोत: पर्वत (Mountain), सोम (पानी), वायु (हवा), पर्जन्य (बर्षा) और अग्नि (अथर्ववेद, 3.21.10); सूर्य से पर्यावरण संरक्षण (ऋग्वेद, 1.191.1-16, अथर्ववेद, 2.32.1-6,यजुर्वेद, 4.4,10.6); सौहार्दपूर्ण माहौल में सूरज की किरणों के साथ जड़ी-बूटियों और पेड़-पौधे द्वारा बनाए गए जीवन के लिए (अथर्ववेद, 5.28.5); ओजोन-परत महातुल्ब की वैदिक अवधारणा '(ऋगवेद, 10.51.1; अथर्ववेद, 4.2.8); वैश्विक पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिए पौधों और जानवरों का महत्त्व; (यजुर्वेद, 13.37); उपनिषदों में पारिस्थितिकी के अनुकूल पर्यावरण जीव (बृहदारण्यक उपनिषद, 3.9.28, तैत्तरीय उपनिषद, 5.101,इशावास्य-उपनिषद,1.1) 10

खंड 'सी' शास्त्रीय संस्कृत साहित्य में पर्यावरण संरक्षण

इकाई : I पर्यावरण जागरूकता और वृक्षारोपण: पुराणों में वृक्षारोपण: एक पवित्र गतिविधि के रूप में (मत्स्य पुराण, 59.159, 153.512, वराहपुराण,172.39), विभिन्न पौधों को राजा द्वारा जंगल में लगाया जाना (शुक्रनीति, 4.58-62) राजा के शाही कर्तव्य के रूप में नए वृक्षारोपण कराना और पुराने पेड़ों का संरक्षण (अर्थशास्त्र, 2.1.20); पेड़ों और पौधों को नष्ट करने की सजा (अर्थशास्त्र, 3.19), भूतल के नीचेके जल का रिचार्ज करने के लिए वृक्षरोपण (बृहत्संहिता, 54.119) 10

इकाई:II पर्यावरण जागरूकता और जलप्रबंधन: सिंचाई के किए विभिन्न प्रकार के जल नहर: नदी से उत्पन्न नहर 'नदीमित्र मुख कुल्य' पर्वत के पास से उत्पन्न नहर 'पर्वतपरस्व वर्तनी कुल्य' तालाब से उत्पन्न नहर 'Hrdasrta Kulya ', जल संसाधन के संरक्षण का स्रोत 'वापी-कूप-तडाग' (अग्निपुराण, 209-2, वि.रामायण 2.80.10-11); अर्थशास्त्र में पानी का संचयन प्रणाली(2.1.20-21); बृहत्संहिता में भूमिगत जल का खिचाव (अध्याय- 54); 5

इकाई:III कालिदास के साहित्य में विश्व पर्यावरण मुद्दे : पर्यावरण के आठ तत्त्व और 'अष्टमूर्ति' की अवधारणा शिव (अभिज्ञानशाकुंतम् 1.); वनसंरक्षण, जल संसाधन, प्राकृतिक संसाधन; कालिदास साहित्य में जानवरों, पक्षियोंऔर पेड़-पौधों का संरक्षण में। अभिज्ञानशाकुंतलम् नाटक पर्यावरण जागरूकता, मेघदूत में भारतीय मानसून के पारिस्थितिकी तंत्र, ऋतुसंहार में ऋतुजनित मौसम की स्थिति भारतीय उपमहाद्वीप में, कुमारसंभव में हिमालयीय पारिस्थितिकी, रघुवंश में समुद्र विज्ञान (सर्ग -13). 10

GE -5

भारतीय तर्कशास्त्र और बहस प्रणाली

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम: पूर्णांक 100

खंड- 'अ'	बहस विज्ञान के मूल सिद्धांत	25
खंड- 'ब'	सिलोजिस्टिक लॉजिक	20
खंड- 'स'	बहस का सिद्धांत (वाद सिद्धान्त)।	25
खंड- 'द'	वर्ग परीक्षा (CIA)	30

[B]पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को केवल बहस और उनके आवेदनों के साथ ही दार्शनिक बातचीत में नहीं बल्कि ज्ञान के हर पैरों से परिचित करना है । यह पाठ्यक्रम न केवल हमारे स्वदेशी विज्ञान तर्क को सामने लाएगा, बल्कि यह भी छात्रों को उनके दिमाग की तार्किक संकाय विकसित करने और दुनिया को दिन-प्रतिदिन जीवन में अधिक तर्कसंगत तरीके से समझने में सक्षम बनाना चाहता है।

[C]यूनिट-वार डिवीजन:

खंड 'अ' बहस विज्ञान के बुनियादी सिद्धांत

इकाई: I जांच के विज्ञान (अन्वीक्षिकी) और इसके महत्त्व , वादविवाद की कला में आन्वीक्षिकी का विकास,परिषद, बहस परिषद् और इसके प्रकार, बहसकर्ता (वादी), प्रतिद्वंद्वी (प्रतिवादी), न्यायाधीश (मध्यस्थ / प्राश्निक)। 15

इकाई:II बहस की विधि (संभाषाविधि / वादाविधि) और इसकी उपयोगिता, बहस के प्रकार-अनुकूल बहस (अनुलोम सम्भाषा) और शत्रुतापूर्ण बहस (विग्राह्य सम्भाषा), व्याकुलता की अभिव्यक्ति (वादोपाय), बहस की सीमा (वादमर्यादा)। 10

टिपण्णी : परिभाषाएं और अवधारणाएं न्यायसूत्र, न्यायकोष, भीमाचार्य झालकीकर रचित, से लिया गया है। और भारतीय तर्क का इतिहास, एस. सी. विद्याभूषण, खंड- 1 के अध्याय III द्वारा चित्रित किया गया । चित्रण और उदाहरणों को दिन-प्रतिदिन जीवन में अपनाना चाहिए और दार्शनिक उदाहरणों को त्याग दिया जाना चाहिए।

खण्ड- 'ब' Syllogistic Logic

इकाई :I तर्क निष्कर्ष (अनुमान) और इसकी प्रमुख शर्तें, जैसे प्रमुख शब्द या जांच (साध्य), मध्य शब्द या जांच (हेतु), लघु शब्द (पक्ष), चित्रण (विपक्ष), विपरीत-दृष्टांत (सपक्ष), अस्थायी सहभागिता की बुनियादी समझ (व्याप्ति)इसके प्रकार, प्रेरक पद्धति द्वारा व्याप्ति की स्थापना, तर्क के पांच घटक (पंचावयव) - प्रस्ताव (प्रतिज्ञा), कारण (हेतु), उदाहरण (Example), आवेदन (उपानय) और निष्कर्ष (निगमन), हेतु अवधि - इसकी प्रकृति और आवश्यकता, मोड़ का प्रदर्शन – उपाधि और तर्क, तर्क की प्रकृति और विविधता. 20

नोट: परिभाषा और अवधारणाएं केवल तर्कसंग्रह और The Nyaaya Theory of Knowledge by S.C. Chattarjee Chapters XI-XIV से लिया गया है।

खंड- 'स' वाद सिद्धांत

इकाई: I निम्नलिखित नियम की बुनियादी समझ: उदाहरण (दृष्टान्त), Tenet (सिद्धांत), Ascertainment (निर्णय), Dailouge (कथा) और इसके प्रकार, Discussion (वाद), Wrangling (जल्प), Cavil (वितन्डा)। 10

इकाई :II Quibble (चल) और इसके प्रकार; Analogue (जाति) और इसके महत्त्वपूर्ण प्रकार (केवल पहले चार, अर्थात् साधर्म्यसम, वैधर्म्यसम, उत्कर्षसम एवं अपकर्षसम); पराजय के विन्दु (निग्रहस्थान) और इसके प्रकार – प्रस्तावना (प्रतिज्ञाहानि) को हर्टिंग करना. प्रस्ताव का स्थानांतरण(प्रतिज्ञान्तर), प्रस्ताव का विरोध करते हुए (प्रतिज्ञाविरोध) , प्रस्ताव की घोषणा करते हुए (प्रतिज्ञासंन्यास), एक राय का प्रवेश (मतनुग्या). 15

नोट: परिभाषाएं और अवधारणाओं को न्यायसूत्र, न्यायकोष, भीमाचार्य झालकीकर रचित और भारतीय तर्क का इतिहास, एस.सी.विद्याभूषण, अध्याय II सेक्शन II से लिया गया है। चित्रण और उदाहरणों को दिन-प्रतिदिन के जीवन में लिया जाना चाहिए और दार्शनिक उदाहरणों को त्याग दिया जाना चाहिए।

GE – 6

संतुलित जीवन की कला

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम: पूर्णांक-100

खंड- 'अ'	स्व प्रस्तुति (Self Presentation)	20
खंड- 'ब'	व्यवहार की एकाग्रता	25
खंड- 'स'	**व्यवहार का** परिशोधन	25
खंड- 'द'	वर्ग परीक्षा	30

[B] पाठ्यक्रम उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य अंतर्निहित रहने की कला के सिद्धांतों से परिचित छात्रों को प्राप्त करना है। संस्कृत साहित्य में और बेहतर जीवन जीने के लिए उन्हें लागू करें। बेहतरपरिणाम देने के लिए विद्यार्थी मानव संसाधन प्रबंधन पर काम करते हैं।

[C] यूनिट-वार डिवीजन:

खंड अ' स्व- प्रस्तुति

इकाई : I स्व-प्रस्तुति की विधि: सुनना (श्रद्धा), प्रतिबिंब (मनन) और ध्यान (निदिध्यासन)- (बृहदारंयकोपनिषद्, 2.4.5) 20

खंड- 'ब' व्यवहार की एकाग्रता

इकाई : I योग की अवधारणा: (योगसूत्र, 1.2) अभ्यास और भावहीनता (वैराग्य) द्वारा उतार-चढ़ाव की रोकथाम: (योगसूत्र, 1.12-16) योग के आठ (अष्टांग योग): (योगसूत्र, 2.2 9,30, 32, 46, 4 9, 50; 3.1-4) क्रिया का योग (क्रियायोग): (योगसूत्र, 2.1) मानसिक शुद्धता के चार अलग-अलग 25

प्रकार (चित्तप्रसादन) एकता के लिए अग्रणी: (योगसूत्र,1.33)

खंड- 'स' व्यवहार का परिशोधन

इकाई : I व्यवहार में सुधार के तरीका : ज्ञान-योग, ध्यान-योग, कर्म-योग और भक्ति-योग (विशेषकर कर्म-योग) कर्म: एक प्राकृतिक आवेग, जीवन के लिए आवश्यक यात्रा, दुनिया का समन्वय, एक आदर्श कर्तव्य और एक आध्यात्मिक शब्दावली (गीता, 3.5, 8,10-16, 20 और 21) — 25

GE -7

संस्कृत भाषा संगणन के लिए उपकरण और तकनीक

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम: — **पूर्णांक 100**

खंड- 'अ'	संस्कृत और भाषा संगणन	40
खंड- 'ब'	भाषा संगणन पद्धति और सर्वेक्षण	30
खंड- 'स'	वर्ग परीक्षा (CIA)	30

[B] पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

इस पाठ्यक्रम में संस्कृत कंप्यूटिंग में वर्तमान अनुसंधान और विकास का परिचय दिया जाएगा। सरकारी और निजी वित्त पोषण के तहत विकसित उपकरणों और तकनीकों पर प्राथमिक जोर दिया जाएगा और संस्कृत के लिए नई प्रौद्योगिकियों का पता लगाया जाएगा।

[C] यूनिट-वार डिवीजन:

खंड अ' संस्कृत और भाषा संगणन

इकाई : I संस्कृत ध्वन्यात्मकता, संस्कृत मोरफोलॉजी सिंटैक्स सिमेंटिक्स, लेक्सिकन, कॉरपोरा उपकरण, तकनीक। — 20

इकाई : II संस्कृत भाषा संसाधन और क्रियाविधि। — 20

खंड- 'ब' भाषा संगणन क्रियाविधि और सर्वेक्षण

यूनिट: I नियम बेस, सांख्यिकी और हाइब्रिड। — 15

यूनिट: II भाषा संगणन सर्वेक्षण । — 15

....

GE- 8

COMPUTER AWARENESS FOR SANSKRIT

[A] Prescribed Cource — **Full Marks 100**

Section 'A'	Basic Computer Awareness	30 Marks
Section 'B'	Typing Unicode Preservation and Digitalization of Sanskrit Text.	20 Marks
Section 'C'	Web Publishing.	20 Mark

Section 'D' Class Exam. (CIA) 30 Marks

Section 'A'

Basic Computer Awareness

Unit : 1 Design, Architecture : Operating System. 10 Marks

Unit : 2 MS Office Tools (Word, Power points, Excel etc.) 10 Marks

Unit : 3 For Sanskrit in Roman and Devanagri Scripts, Email. Etc. 10 Marks

Section 'B'

Typing Unicode Preservation and Digitalization of Sanskrit Text.

Unit : 1 Character encoding, Unicode, ASII, UTF-8, UTF-16 6 Marks

Unit : 2 Typing in Unicode through various Software's 8 Marks

Unit : 3 Sanskrit text Digitalization/Preservation/Storage. 6 Marks

Section 'C'

For Sanskrit in Roman and Devanagri Scripts, Email. etc.

Unit : 1 Basics HTML.., Java Scripts and CSS 10 Marks

Unit : 2 Basics of Databases 10 Marks

Suggested Books/Readings

1. Tom Henderson (April 17,2014) "Ancient Computer Character Code Tables and why they're still relevant". Smart bear. Retrieved 29 April 2014.
2. Unicode Technical Report # 17 : Unicode Character Encoding Model. " 2008 II-II Retrieved 2009-08-08 At : http:www.unicode.org/reports/tr17/

GE - 9

संस्कृत के लिए कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम: पूर्णांक 100

खंड- 'ए' कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान की सैद्धांतिक अवधारणाए 25

खंड- 'ब' कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान के एप्लाइड क्षेत्र 25

खंड- 'स' डेटा संग्रहण: डेटाबेस का एक परिचय 20

खंड-'द' वर्ग परीक्षा (CIA) 30

[B] पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

यह पाठ्यक्रम कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक का परिचय देगा और अगले स्तर के लिए छात्रों को तैयार करेंगे। कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान (सीएल) में इन विषयों को कवर करने के बाद, छात्र सीएल के उपकरण और तकनीक सीखेंगे।

[C] यूनिट-वार डिवीजन:

खंड अ' कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान के सैद्धांतिक अवधारनाएँ

इकाई : I भाषा और संचार, भाषा के स्तर, स्वनिम, रूपिम, पीओएस, शब्दकोश, सिंटेक्स, 15
शब्दार्थ, प्रवचन, प्राकृतिक भाषा बनाम कृत्रिम भाषा, वाणी और भाषा,
व्याकरण, कंप्यूटर के रूप में बुद्धिमान उपकरण, मानव कम्प्यूटर इंटेलिजेंट
इंटरेक्शन (एचसीआईआई), बोली के मानव संसाधन का प्रसंस्करण :
कंप्यूटर बनाम प्राकृतिक बोली, सांख्यिकीय आधारित नियम प्रसंस्करण,
मशीन लर्निंग, भाषा की व्याख्या, मानक, यूनिकोड, और भाषा संसाधन।

यूनिट: II कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान का सर्वेक्षण 15

खंड- 'ब' कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान के लागू क्षेत्रों आकृति विज्ञान विश्लेषक / भाषण /अध्यक्ष

यूनिट: I मान्यता, भाषण संश्लेषण, पाठ से भाषण, भाषा विश्लेषण, समझ, जनरेशन, 20
प्राकृतिक भाषा अंतरफलक, पाठ प्रसंस्करण और मशीन अनुवाद।

खंड- 'स' डेटा संग्रहण:

यूनिट: I डेटाबेस का परिचय, डाटाबेस और आर्किटेक्चर सिस्टम्स का डाटाबेस, डेटाबेस 20
सिस्टम, डाटाबेस सिस्टम के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य I

आचार्य (एम.ए. समकक्ष) पाठ्यक्रम:

(C. B. C. S. के अनुसार)

आचार्य (एम.ए. समकक्ष) पाठ्यक्रमः

विषयः- साहित्य

(C. B. C. S. के अनुसार)

CC-1 से CC-14 तक, AECC, EC-1 एवं EC-2 और GE के पाठ्यक्रम

(टिप्पणी: CC-1 से CC – 14 के सभी पत्रों में, AECC और GE में विनियमावली के अनुसार प्रति पत्र के पूर्णांक 100 के होंगे जिनमें विश्वविद्यालयीय परीक्षा के लिए 70 अंक और विभागीय मूल्यांकन के लिए 30 अंक निर्धारित होंगे.)

प्रथम सेमेसटर

CC –I संस्कृत साहित्य का इतिहास, पाश्चात्य समालोचना एवं निबन्ध — पूर्णांक- 100

खण्ड 1 - संस्कृत साहित्य का इतिहास रामायण , महाभारत, नाटक ,और महाकाव्य का सामान्य अध्ययन	35
खण्ड 2 पाश्चात्य समालोचना, प्लेट ;अरस्तू, होरेस, लॉन्गिनस, थॉमस स्टुअर्ट, एलियट आइवर आर्मस्ट्रोंग रिचर्ड्स का सामान्य अध्ययन।	15
खण्ड 3 -संस्कृत में निबन्ध	20
खण्ड 4 -विभागीय मूल्यांकन (CIA)	30

अनुशंसित पुस्तकें :

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास- : पं. बलदेव उपाध्याय
2. संस्कृत साहित्य की रूपरेखा: चंद्रशेखर पांडे और ननुराम व्यास
3. संस्कृत साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ.सूर्यकांत
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र.डॉ : देवेंद्रनाथ शर्मा, मयूर पेपरबॉक्स्, ए 95-, सेक्टर V, नोएडा 20130 –,1999

CC --2. लक्षणग्रन्थ - काव्यशास्त्र - I — पूर्णांक - 100

खण्ड 1 - ध्वन्यालोक - प्रथम एवं द्वितीय उद्योत ध्वन्यालोक, उसकी अपूर्वता, लक्षणा में अंतर्भाव का खंडन, ध्वनि प्रकार, उपप्रकारादि	20
खण्ड 2 - काव्यप्रकाश VI, VII एवं VIII उल्लास	25
खण्ड -3 अरस्तु का काव्यशास्त्र	25
खण्ड- 4 विभागीय मूल्यांकन (CIA)	30

अनुशंसित पुस्तकें :

1.ध्वन्यालोक : हिन्दी अनुवाद व्याख्या पं. जगन्नाथ पाठक।

2.ध्वन्यालोक: हिंदी अनुवाद और व्याख्या पं. रामासगर त्रिपाठी, एमएलबीडी ।

3. अरस्तु का काव्यशास्त्र – सं। नागेन्द्र .डा .

4. काव्यप्रकाश – नागेश्वरीव्याख्या, चौखम्बा , वाराणसी

CC- 3 खण्ड काव्य — **पूर्णांक-100**

निर्धारित पाठ्यक्रम

खंड- 1	लक्ष्मीश्वरोपायनम्(सम्पूर्ण) अनुवादक एवं प्रकाशक-डा. विश्राम तिवारी	35
खंड- 2	सौमित्रिसुन्दरीचरितम् (चतुर्थ एवं पंचम सर्ग) -	35
खंड- 3	विभागीय मूल्यांकन (CIA)	30

अनुशंसितग्रन्थ –

(1) लक्ष्मीश्वरोपायनम् (सम्पूर्ण) अनुवादक एवं प्रकाशक-डा. विश्राम तिवारी

(2) सौमित्रिसुन्दरीचरितम् - पं. भवानीदत्त शर्मा, मुजफ्फरपुर

CC-4 नाटक पूर्णांक-100

निर्धारित पाठ्यक्रम

खंड-1	मुद्राराक्षसम् (1-4 अंक) -	35
खंड-2	उत्तररामचरितम् (प्रथम एवं षष्ठ अंक) -	35
खंड- 3	विभागीय मूल्यांकन (CIA)	30

अनुशंसितग्रन्थ –

1. मुद्राराक्षसम् - विशाखदत्तः
2. उत्तररामचरितम् - भवभूतिः

AECC-1 Full Marks:- 100

1. Fundamental of computer	10
2. Basic of operating system – Understanding	10
3. Linux O.S and windows O.S	20
4. Fundamental of Ms Office	20
(a) Ms Word (b) Ms Excel	
5. Basic of Internet	10
6. Internal Evaluation	30

Recommended Books :-

1. Fundamentals of Computers

by Rajaraman V and Adabala N, Prentice Hall India Learning Private Limited

Fundamentals of computers

by E Balagurusamy (Author), McGraw Hill Education (24 June 2009)

2. Learn The Linux Operating system and command Line Today With This Step By Step guide Linux Ultimate Beginner

Felix Alvaro, Create space Independent Pub

Windows 10: A comple Windows 10 guide and user manual for beginners

by Geoff Adams, Create space Independent Publishing Platform

द्वितीय सेमेस्टर

CC- 5 काव्यलक्षण काव्यशास्त्र - ।। पूर्णांक-100

खण्ड 1 - काव्यप्रकाश प्रथम और द्वितीय उल्लास 40

खण्ड 2 - काव्यप्रकाश नवम और दशम उल्लास 30

नवम उल्लास -वक्रोक्ति , अनुप्रास, यमक और श्लेष - 4अलंकार

दशम उल्लास - उपमा ,संदेह ,अपह्नुति , अतिशयोक्ति ,रूपक ,उत्प्रेक्षा , (पूर्णोपमा) समासोक्ति,काव्यलिंग ,परिसंख्या ,तुल्ययोगिता ,दृष्टान्त,अप्रस्तुतप्रशंसा ,निदर्शना , भ्रान्तिमान्अर्थान्तरन्यास और ,विशेषोक्ति ,तिरेकव्य ,विभावना ,दीपक ,संशय और संकर। कुल 21 अलंकार।

खण्ड 3 (CIA) विभागीय मूल्यांकनम् 30

अनुशंसित पुस्तकें -:

1. काव्यप्रकाश :मम्मट, अनुवादक विश्वेश्वर सिद्धांतशिरोमणि, ज्ञान मंडल प्रकाशन ,वाराणसी ।
2. काव्यप्रकाश : मम्मट (केवल पाठ) , सम्पादित .प्रो –रेवा प्रसाद द्विवेदी, प्रकाशित, बीएचयू
3. काव्यप्रकाशः मम्मट प्रदीपोद्योत और प्रभा टीका के साथ। सम्पादितः प्रो० बी० भट्टाचार्य और प्रो० जे. ऐस. एल. त्रिपाठी, बीएचयू प्रकाशन।

CC- 6 लक्षणग्रन्थ पूर्णांक-100

निर्धारित पाठ्यक्रम :

खण्ड- 1 काव्यप्रकाशः (पञ्चम उल्लास) - 35

खण्ड -2 दशरूपकम् (1-2 प्रकाशौ) - 35

खण्ड-3 विभागीय मूल्यांकन CIA 30

सहायकग्रन्थ –

1. काव्यप्रकाश (नागेश्वरी टीका) तथा
2. दशरूपक (हिन्दी आलोक टीका)

CC-7 लक्षणग्रन्थ (दृश्यकाव्य) पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ्यक्रम

खण्ड- 1. दशरूपकम् (धनंजयः-3-4 प्रकाशौ) - 35

खण्ड 2 औचित्यविचारचर्चा 35

खण्ड-3 विभागीय मूल्यांकन (CIA) 30

निर्धारित ग्रंथ-

1. दशरूपकम् – टीकाकार- भोला शंकर व्यास
2. औचित्यविचारचर्चा (क्षेमेन्द्र)

CC -8 महाकाव्य पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ्यक्रम :

खण्ड- 1. नैषधचरितम् (प्रथम एवं द्वितीय सर्ग) 40

खण्ड 2 मेघदूतम् उत्तरमेघः 30

खण्ड- 3. विभागीय मूल्यांकनम् (CIA) 30

निर्धारित ग्रंथ-

1. नैषधीयचरितम् - श्रीहर्षः
2. मेघदूतम् - कालिदासः

CC-9 साहित्यालोचना पूर्णांकः 100

निर्धारित पाठ्यक्रम :

खण्ड – 1 साहित्यालोचना	35
खण्ड - 2 संस्कृत आलोचना	35
खण्ड- 3. विभागीय मूल्यांकन (CIA)	30

सहायकग्रन्थ –

1. साहित्यालोचन – श्यामसुन्दर दास
2. संस्कृत आलोचना – बलदेव उपाध्याय

AECC-2 Full Mark-100

Part – 1 Networking and communication system	15
Part- 2 Fundamental of Ms Office	20
(a) Ms Word (b) Ms Excel	
Part – 3 Adobe Page Maker 7.0	20
Part – 4 Corel Draw X7	15
Part – 5 Internal Evaluation	30

Recommended Books:-

- Fundamentals of Office 2016 (Computer Fundamentals) by Wilson Kevin, Eliminate Press
- Adobe Page Maker 7.0 by Adobe Creative Team Adobe ; Pap/Cdr edition
- Corel Draw X7: The Official Guide

तृतीय सेमेस्टर

CC-10 लक्षणग्रन्थ पूर्णांक 100

खण्ड - 1 रसगंगाधरः (पण्डितराज जगन्नाथः) - प्रथमानने काव्यलक्षणम् -	35
खण्ड – 2 प्रथमानने (रसविवेचनम्)	35
खण्ड- 3 विभागीय मूल्यांकन (CIA)	30

सहायकग्रन्थ –

1. रसगंगाधर-संस्कृत-हिन्दीव्याख्या (पं0 मदनमोहन झा)

CC-11 लक्षणग्रन्थ पूर्णांक 100

खण्ड-1 रसगंगाधरः (पण्डितराज जगन्नाथः) - प्रथमानने गुणनिरूपणम् 35

खण्ड – 2 रसगंगाधरस्य प्रथमानने-भावनिरूपणम् 35

खण्ड- 3 विभागीय मूल्यांकन (CIA) 30

सहायकग्रन्थ - रसगंगाधर-संस्कृत-हिन्दीव्याख्या (पं0 मदनमोहन झा)

CC- 12 दृश्यकाव्यम् पूर्णांक - 100

निर्धारित पाठ्यक्रम : –

खण्ड- 1 मृच्छकटिकम् (सम्पूर्णम्) 40

खण्ड -2 अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक) 30

खण्ड- 3 विभागीय मूल्यांकन (CIA) 30

सहायकग्रन्थः –

1. मृच्छकटिकम् (सम्पूर्णम्) - शूद्रकः
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक) - कालिदासः

CC- 13 महाकाव्य पूर्णांक - 100

निर्धारित पाठ्यक्रम : –

खण्ड- 1 शिशुपालवधम् (तृतीय सर्ग) - 35

खण्ड- 2 शिशुपालवधम् (चतुर्थ सर्ग) 35

खण्ड- 3 विभागीय मूल्यांकन (CIA) 30

सहायकग्रन्थः –

1. शिशुपालवधम् - महाकविमाघः

CC – 14

खण्ड . 1 -सीमा (रामकरण शर्मा) 35

खण्ड .2 -कादम्बरी उत्तरार्ध 35

खण्ड- 3 विभागीय मूल्यांकन (CIA) 30

अनुशंसित पुस्तकें –

1. सीमा -रामकरण शर्मा (नाग प्रकाशन) दिल्ली
2. कादम्बरी – चौखम्बा प्रकाशन , वाराणसी

AECC-3 Full Mark-100

Part – 1 Object oriented Programming (C++) 50

Part- 2 Basic of Java Scripts 20

Part – 3 Internal Evaluation 30

Recommended Books:-

- Object-Oriented Programming with ANSI and Turbo C++
  by Ashok Kamthane, Pearson
- Java Script: A Beginners Guide
  by John Pollock, McGraw Hill Education;
- JavaScrit: The Definitive Guide 6 Edition
  David Flanagan, O' Reilly.

चतुर्थ सेमेस्टर

विशिष्ट विषय –

(EC – 1 और EC – 2) इन दोनों पत्रों के लिए निर्धारित वर्गों में से किसी एक वर्ग के विषय का अध्ययन आवश्यक होगा। अध्ययन के लिए गृहीत वर्ग के प्रतिपत्र में 100 अंक निर्धारित होंगे। जिनमें से 50 अंकों की विभागीय मौखिकी परीक्षा ली जाएगा और 50 अंकों का विश्वविद्यालयीय परीक्षा ली जाएगी)।

EC- 1 विशेषअध्ययन

निम्नलिखित वर्गों में से किसी एक का अध्ययन अपेक्षित है : -

वर्ग (क) - कालिदास (महाकाव्य) -	पूर्णांक 100
इकाई - 1 रघुवंशमहाकाव्यम् (1-5 सर्ग) -	25
इकाई - 2 कुमारसम्भवम् (1-3 सर्ग) -	25
इकाई -3 मौखिकी	50

अनुशंसित पुस्तकें-

1. रघुवंशमहाकाव्यम् – टीकाकारः ब्रह्मानन्द त्रिपाठी (चौखम्बा प्रकाशन)
2. कुमारसम्भवम् – टीकाकारः मल्लिनाथ चौखम्बा प्रकाशन

वर्ग (ख)

अश्वघोष

	पूर्णांक 100
इकाई - 1 बुद्धचरितम् (1 - 5 सर्ग) -	25
इकाई - 2 सौन्दरानन्दम् (1 - 3 सर्ग) -	25
इकाई – 3 मौखिकी	50

अनुशंसित पुस्तकें-

1. सौन्दरानन्द – टीकाकारः – सूर्य नारायण चौधरी
2. बुद्धचरितम् – टीकाकारः - विज्ञानेश्वर

वर्ग (ग)

वाल्मीकिः

इकाई (1) वाल्मीकीय रामायणम् सुन्दरकाण्डम् (1 - 5 सर्ग) -	25
इकाई – 2 वाल्मीकीय रामायणम् सुन्दरकाण्डम् (6 – 10 सर्ग)	25
इकाई – 3 मौखिकी	50

EC- 2 विशेषअध्ययनपत्र

EC - 1 में गृहीतवर्ग ही इस में विशिष्टाध्ययन के लिए स्वीकार्य होगा।

वर्ग (क) - कालिदास (महाकाव्य) -	पूर्णांक 100
इकाई - 1 रघवंशमहाकाव्यम् (6 - 10 सर्ग) -	25
इकाई - 2 कुमारसंम्भम् (4 - 6 सर्ग) -	25
इकाई -3 मौखिकी	50

वर्ग (ख)

अश्वघोष		पूर्णांक 100
इकाई - 1 बुद्धचरितम् (6 - 10 सर्ग)	-	25
इकाई - 2 सौन्दरानन्दम् (4 - 6 सर्ग)	-	25
इकाई – 3 मौखिकी		50

वर्ग (ग)

वाल्मीकि	पूर्णांक 100
इकाई (1) वाल्मीकीय रामायणम् सुन्दरकाण्डम् (11 - 15 सर्ग)	25
इकाई – 2 वाल्मीकीय रामायणम् सुन्दरकाण्डम् (16 – 20 सर्ग	25
इकाई – 3 मौखिकी	50

सहायक ग्रन्थः –

(क) संस्कृत साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय

(ख) संस्कृत साहित्य का इतिहास - वाचस्पती गैरोला

GE -1	शोधपद्धति और अनुवाद	पूर्णांक100
	खण्ड . 1 -पाठ का संपादन, पांडुलिपि विज्ञान	20
	खण्ड .2 -शोध क्रिया विधि और शोध परियोजना का प्रारूप निर्म	20
	खण्ड .3 -दिये गये संदर्भ का अनुवाद लेखन	20
	खण्ड.4 - इंडेक्सिंग, प्रूफ रीडिंग	10
	खण्ड .5 -वर्ग परीक्षा	30

AECC- 4 **Full Marks-100**

Part-1	**Fundamental of database system concept**	**50**
Part-2	**Ms Access**	**20**
Part-3	Internal Evaluation	30

Recommended Books:-

- **Database Management Systems (DBMS) 2nd Edition**
  Vijay Krishna Pallaw, Asian Books
- **Fundamentals of Database System**
  by Elmasri Ramez, Navathe Shamkant, Pearson Education, Seventh edition
- **Database System Concepts**
  by Silberschatz, McGraw Hill Education; Sixth edition

.....

आचार्य(एम.ए. समकक्ष) पाठ्यक्रमः

विषयः- नव्यव्याकरणम्

(पत्र 1,3,7,9,13,15 एवं 16 नव्य एवं प्राचीन व्याकरण में समान हैं।)

(C. B. C. S. के अनुसार)

CC-1 से CC-14 तक, AECC, EC-1 एवं EC-2 और GE के पाठ्यक्रम

(टिप्पणी: CC-1 से CC – 14 के सभी पत्रों में, AECC और GE में विनियमावली के अनुसार प्रति पत्र के पूर्णांक 100 के होंगे जिनमें विश्वविद्यालयीय परीक्षा के लिए 70 अंक और विभागीय मूल्यांकन के लिए 30 अंक निर्धारित होंगे.)

प्रथम सेमेस्टर

CC-1	संस्कृतव्याकरणशास्त्रेतिहासः	पूर्णांक 100
	खण्ड-1 अध्याय 1 से 5	30
	खण्ड-2 अध्याय 7 से 11	20
	खण्ड-3 अध्याय 14,16,17	20
	खण्ड- 4 विभागीय मूल्यांकनम्	30

सहायकग्रन्थः –

संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास – प्रथमभाग, युधिष्ठिर मीमांसक

CC-2	लघुशब्देन्दुशेखरः – (अदितःअच्सन्धिं यावत्) नागेशभट्टः	पूर्णांक 100
	खण्ड-1 संज्ञा प्रकरणम्	35
	खण्ड-2 परिभाषा प्रकरणम्	
	15	
	खण्ड-3 अच्सन्धिः	20
	खण्ड- 4 विभागीय मूल्यांकनम्	30

सहायकग्रन्थः –

लघुशब्देन्दुशेखरः – व्याख्याकारः – पं० ताराकान्त झा, प्रकाशक – का.सिं.द. संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा

CC- 3	वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्डम्) – भर्तृहरिः	पूर्णांक 100
	खण्ड-1 कारिका (1 से 50)	30
	खण्ड-2 कारिका (51 से 101)	20
	खण्ड-3 कारिका (102 से 156)	20
	खण्ड- 4 विभागीय मूल्यांकनम्	30

सहायकग्रन्थः –

वाक्यपदीयम् - व्याख्याकारः – पं० सूर्यनारायणशुक्लः, चौखम्बा, वाराणसी

CC 4	पाणिनीयव्याकरणतत्त्वप्रदीपः – महावैयाकरण दीनबन्धु झा	पूर्णांक 100
	खण्ड-1 अध्याय (1 से 10)	30
	खण्ड-2 अध्याय (11 से 18)	20
	खण्ड-3 अध्याय (19 से 26)	20
	खण्ड- 4 विभागीय मूल्यांकनम्	30

सहायकग्रन्थः –

पाणिनीयव्याकरणतत्त्वप्रदीपः – का.सिं.द. संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा

AECC-1 Full Marks:- 100

7. Fundamental of computer	10
8. Basic of operating system – Understanding	10
9. Linux O.S and windows O.S	20
10. Fundamental of Ms Office	20
(b) Ms Word (b) Ms Excel	
11. Basic of Internet	10
12. Internal Evaluation	30

Recommended Books :-

3. Fundamentals of Computers
by Rajaraman V and Adabala N, Prentice Hall India Learning Private Limited
Fundamentals of computers
by E Balagurusamy_ (Author), McGraw Hill Education (24 June 2009)
4. Learn The Linux Operating system and command Line Today With This Step By Step guide Linux Ultimate Beginner
Felix Alvaro, Create space Independent Pub
Windows 10: A complete Windows 10 guide and user manual for beginners
by Geoff Adams, Create space Independent Publishing Platform

द्वितीय सेमेस्टर

CC – 5 लघुशब्देन्दुशेखरः (हल्सन्धितोऽजन्तनपुंसकलिंगं यावत्)- नागेशभट्टः पूर्णांक 100

खण्ड-1 हल-विसर्ग-स्वादिसन्धयः	25
खण्ड-2 अजन्तपुं०	30
खण्ड-3 अजन्तस्त्री-नपुं०	15
खण्ड- 4 विभागीय मूल्यांकनम्	30

सहायकग्रन्थः –

लघुशब्देन्दुशेखरः - व्याख्याकारः- पं० ताराकान्त झा, प्रकाशक – का.सिं.द. संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा

CC – 6 परिभाषेन्दुशेखरः (शास्त्रत्वसम्पादकप्रकरणम्)- नागेशभट्टः पूर्णांक 100

खण्ड-1 (1 से 20 परिभाषाः)	40
खण्ड-2 (21 से 37 परिभाषाः)	30
खण्ड- 4 विभागीय मूल्यांकनम्	30

सहायकग्रन्थः –

परिभाषेन्दुशेखरः -व्याख्याकारः- डॉ० श्रीनारायणमिश्रः । चौखम्बा , वाराणसी